कक्षा - आठवीं
विषय - हिन्दी रीडर

[illegible]

पाठ 3 - बस की यात्रा

कारण बताएँ -

1 "मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा।"
• लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

उ० = लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा इसलिए जाग गई क्योंकि वे टायरों की हालत जानते थे पर फिर भी जान हथेली पर लेकर इस बस में सफर कर रहे थे।

2 "लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफर नहीं करते।"
• लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उ० = लेखक को लोगों ने यह सलाह इसलिए दी क्योंकि वह जानते थे कि बस पूरी तरह से जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है और इसका पता नहीं है की कहाँ खराब हो जाए, अगर यह खराब हो जाती है तो ठीक होने की संभावना भी बहुत कम थी। शाम बीतते ही रात हो जाती है इसलिए रात रास्ते में ही कहाँ बितानी पड़े कुछ नहीं पता। अगर रात में बीच रास्ते में ही यह बस खराब हो जाती है तो दुर्दशा हो जाएगी। इसलिए लोगों ने लेखक को शाम वाली बस में सफर न करने की सलाह दी।

3. "ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।" • लेखक को ऐसा क्यों लगा?

उ० = जब बस चालक ने इंजन स्टार्ट किया तब सारी बस झन-झनाने लगी। जहाँ केवल इंजन में ही कंपन होना चाहिए था, वहाँ तो सारी बस ही पूरी तरह खड़खड़ करती हुई हिलने लगी। मानो पूरी बस ही इंजन है। लेखक को ऐसा प्रतीत हुआ कि वह इंजन के भीतर बैठा हुआ है। खिड़कियों के काँच भी जोर-जोर से हिलने लगे। लेखक जिस सीट पर बैठा था वह भी इधर-उधर नाच रही थी। इसलिए लेखक को सारी बस ही इंजन लग रही थी।

Scanned with CamScanner

Red Wings
Page No. ___ Date __/__/20__

4. "गजब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।" लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?

उ० = उस बस की जरजर अवस्था को देखकर यह आश्चर्य करना तो सौभाविक ही है। देखने पर कहीं से भी नहीं लग रहा था कि वह बस चलेगी भी, क्योंकि बस की स्थिति ऐसी थी कि उसे धक्का देकर आगे बढ़ाना पड़े। परंतु कम्पनी के हिस्सेदार ने उस बस को कहा "चलेगी क्यूँ नहीं यह तो अपने आप चलेगी"।

5. "मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था।" लेखक पेड़ों को दुश्मन क्यों समझ रहा था?

उ० = बस जरजर अवस्था में थी। उसके सभी पुर्जे खराब हो गये थे। इसलिए बस बार-बार रुक रही थी। लेखक महसूस कर रहा था कि इसकी स्टीयरिंग कहीं भी टूट सकती है और ब्रेक फेल हो सकता है। बस पर से उसका विश्वास उठ चुका था। बस कहीं भी किसी भी पेड़ से जाकर टकरा सकती थी।

पाठ से आगे

1. 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' किसके नेतृत्व में, किस उद्देश्य से तथा कब हुआ था? इतिहास की उपलब्ध पुस्तकों के आधार पर लिखिए।

उ० = सविनय अवज्ञा आंदोलन महात्मा गाँधी के नेतृत्व में 193[0] में अंग्रेजी सरकार से असहयोग करने तथा पूर्ण स्वाधीनता प्राप्त करने के लिए किया गया था। भारतीय समाज पैसे ही गरीबी में दिन बिता रहा था, वे मुश्किल से नमक-रोटी खाकर गुजारा कर रहे थे। अंग्रेजी सरकार ने नमक पर भी टैक्स लगा दिया, तब इससे नाराज होकर गाँधी जी ने 12 मार्च 1930 को दांडी मार्च करके नमक कानून को तोड़ा।

Scanned with CamScanner

Red Wings
Page No. ___ Date ___/___/20___

2. सविनय अवज्ञा का उपयोग व्यंग्यकार ने किस रूप में किया है? लिखिए।

उ०= सविनय अवज्ञा आंदोलन 1930 में से सरकारी आदेशों का पालन न करने के लिए किया था। इसमें अंग्रेजी सरकार के साथ सहयोग न करने की भावना थी। लेखक ने 'सविनय अवज्ञा' का उपयोग बस के सन्दर्भ में किया है। वह इस प्रतीकात्मक भाषा के माध्यम से यह बताना चाह रहे क्योंकि बस विनयपूर्वक अपने मालिक व यात्रियों से उसे स्वतंत्र करने का अनुरोध कर रही है। जिस तरह अंग्रेजों की दमनपूर्वक नीति के खिलाफ भारतीय जनता विनयपूर्वक संघर्ष के लिए आगे बढ़ती रही। उसी तरह यह खटारा बस भी जर्जर होने के बावजूद चलती जा रही थी।

पाठ 4 - दीवानों की हस्ती

प्र०१ = कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' क्यों कहा है ?

उ० = कवि अपने आने को 'उल्लास' कहता है क्योंकि किसी भी नई जगह पर आने से उसे खुशी मिलती है तथा उस स्थान को छोड़कर जाते समय दुख होता है। और इसलिए आँखों से आँसू निकलकर बह जाते हैं। वह अन्य लोगों को खुशियाँ बाँटता है जिससे वे अपने दुख भूल जाते हैं। जब वह जाता है तो यह दुख लेकर जाता है कि ये खुशियाँ ज्यादा समय तक के लिए नहीं है।

प्र० २. भिखमंगों की दुनिया में बेरोक प्यार लुटाने वाला कवि ऐसा क्यों कहता है कि वह अपने हृदय पर असफलता का एक निशान भार की तरह लेकर जा रहा है ? क्या वह निराश है या प्रसन्न ?

उ० = यहाँ भिखमंगों की दुनिया से कवि का आशय यह है कि यह दुनिया केवल लेना जानती है, देना नहीं। कवि ने भी इस दुनिया को प्यार दिया है लेकिन बदले में उसे प्यार नहीं मिला। जिसकी वह आशा करता है। कवि के लिए यह उसकी असफलता है। इसलिए वह अपने हृदय पर असफलता का एक निशान भार की तरह लेकर जा रहा है। अतः कवि निराश है, वह समझता है कि प्यार और खुशियाँ लोगों के जीवन में भरने में असफल रहा।

प्र०3 = कविता में ऐसी कौन-सी बात है जो आपको सबसे अच्छी लगी ?

उ० = कविता में सबसे अच्छी बात कवि का जीवन को जीने का दृष्टिकोण है। वह हर परिस्थिति में खुश रहना चाहता है और सबको प्यार देकर खुश रखना चाहता है। ऐसा व्यक्ति विषम परिस्थितियों में भी खुश रहना जानता है।

Scanned with CamScanner